CBSE Class 8 Social Science Important Questions Civics Chapter 2 धर्मनिरपेक्षता की समझ

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के साथ भेदभाव व उत्पीड़न की घटनाएँ कब अधिक बढ़ जाती हैं?
उत्तर:
भेदभाव व उत्पीड़न की ऐसी घटनाएँ तब और ज्यादा बढ़ जाती हैं जब दूसरे धर्मों के स्थान पर राज्य किसी एक धर्म को अधिकृत मान्यता प्रदान कर देता है।

प्रश्न 2.
धर्मनिरपेक्षता क्या है?
उत्तर:
धर्म को राज्य से अलग रखने की अवधारणा को धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है।

प्रश्न 3.
धर्मनिरपेक्षता का मूलमंत्र क्या है?
उत्तर:
धर्मनिरपेक्षता का मूलमंत्र यह है कि धर्म से संबंधित किसी भी तरह का वर्चस्व खत्म होना चाहिए।

प्रश्न 4.
भारत में विद्यालयों में कोई धार्मिक आयोजन न करने का नियम क्या निजी स्कूलों में लागू होता है?
उत्तर:
नहीं, भारत में विद्यालयों में कोई धार्मिक आयोजन न करने का नियम निजी स्कूलों में लागू नहीं होता है।

प्रश्न 5.
भारतीय धर्मनिरपेक्षता की नीति को स्पष्ट कीजिये।
उत्तर:
भारत में राज्य खुद को धर्म से दूर रखता है, वह धार्मिक मामलों में अहस्तक्षेप की नीति अपनाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
धर्मनिरपेक्षता की समझ को स्पष्ट कीजिये।
उत्तर:
धर्मनिरपेक्षता की समझ-'धर्मनिरपेक्षता की समझ' से आशय है कि धर्म और आस्था के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म से संबंधित किसी भी तरह का वर्चस्व खत्म होना चाहिए। एक धर्म के

लोगों द्वारा अन्य धार्मिक समुदायों के लोगों के साथ भेदभाव की घटनाएँ तब और बढ़ जाती हैं जब दूसरे धर्मों के स्थान पर राज्य किसी एक धर्म को अधिकृत मान्यता प्रदान कर देता है। इसलिए धर्मनिरपेक्षता के लिए पहली आवश्यकता धर्म को राज्य सत्ता से अलग रखने की है।

प्रश्न 2.
धर्म को राज्य से अलग रखना महत्वपूर्ण क्यों है?
उत्तर:
धर्मनिरपेक्षता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है-धर्म को राजसत्ता से अलग करना। एक लोकतांत्रिक देश में यह बहुत आवश्यक है। यथा-
(1) बहुमत की निरंकुशता और उसके कारण मौलिक अधिकारों के हनन को रोकने के लिए लोकतांत्रिक समाजों में राज्य और धर्म को अलग-अलग रखना अति आवश्यक है।

(2) लोगों के धार्मिक चुनाव के अधिकार की रक्षा करने अर्थात् देश के किसी भी व्यक्ति को एक धर्म से निकलने और दूसरे धर्म को अपनाने या धार्मिक उपदेशों की अलग ढंग से व्याख्या करने की स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए भी धर्म को राज्य से अलग रखना महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 3.
भारतीय धर्मनिरपेक्षता क्या है?
उत्तर:
भारतीय धर्मनिरपेक्षता-भारतीय संविधान में कहा गया है कि भारतीय राज्य धर्मनिरपेक्ष होगा। भारत के संविधान के अनुसार, केवल धर्मनिरपेक्ष राज्य ही निम्नलिखित बातों का ख्याल रख सकता है-

- कोई एक धार्मिक समुदाय किसी दूसरे धार्मिक समुदाय को न दबाए।
- कुछ लोग अपने ही धर्म के अन्य सदस्यों को न दबाएं।
- राज्य न तो किसी खास धर्म को थोपेगा और न ही लोगों की धार्मिक स्वतन्त्रता छीनेगा।

प्रश्न 4.
भारतीय धर्मनिरपेक्षता और अमेरिकी धर्मनिरपेक्षता के बीच मुख्य अन्तर क्या है?
उत्तर:
भारतीय धर्मनिरपेक्षता और अमेरिकी धर्मनिरपेक्षता के बीच प्रमुख अन्तर यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में राज्य और धर्म, दोनों एक-दूसरे के मामलों में किसी तरह का दखल नहीं दे सकते; जबकि भारतीय धर्मनिरपेक्षता में राज्य को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने की छूट दी गई है। उदाहरण के लिए, भारतीय संविधान ने छुआछूत को खत्म करने के लिए हिन्दू धार्मिक क्रियाकलापों में हस्तक्षेप किया है।

https://www.evidyarthi.in/